

स्पीड न्यूज

जन्मदिन पर खिचड़ी का वितरण



वितरण करती सहेली सदस्य

गढ़वा। जायन्ट्स गुप्त ऑफ गढ़वा सहेली की कोषाध्यक्ष बींगा के शिरों पर जायन्ट्स गढ़वा के कोषाध्यक्ष अशोक केशरी के पुत्र सिद्धार्थ केशरी के जन्मदिन पर चैधराना बाजार स्थित शनि मन्दिर के समीप खिचड़ी का वितरण किया गया। इस अवसर पर पदाधिकारियों ने नए सत्र में बढ़ चढ़ कर जरूरतमयों की सेवा करने का संकल्प लिया। मैंके पर जायन्ट्स गुप्त ऑफ गढ़वा सहेली की नवनिवार्चित अध्यक्ष जेना जायन्ट्स गुप्त, नवनिवार्चित प्रशासनिक निदेशक रीमा नियम, पूर्व अध्यक्ष माला केशरी, लता गुप्ता, सुनील केशरी, सुषमा केशरी, निवर्तमान अध्यक्ष रितु जायन्ट्स गुप्त, उपाध्यक्ष रीना अग्रवाल, संध्या केशरी, रीना गुप्ता, पल्लवी पुंज, रीना केशरी आदि लोग उपस्थित थी।

जबड़ा में गाजे बाजे के साथ पूजित अक्षत का वितरण



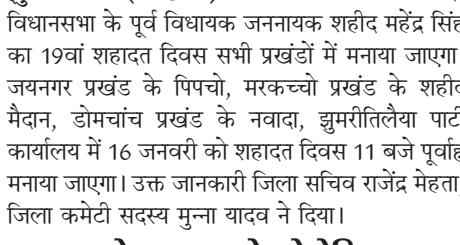
सिंमिया। प्रखंड के जबड़ा गांव में सोमवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने अयोध्या से आये पूजित अक्षत और श्रीराम जी का तरोंग प्रत्येक घरों में आमंत्रण पत्र के साथ वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान सनातनों 22 जनवरी को को दीपोत्सव मनाने के साथ जबड़ा चौक स्थित श्रीराधा कृष्ण हनुमान मंदिर में पूजा करने की अपील किया गया। वहीं ग्रामसभियों ने अयोध्या में प्राप्त प्रतिष्ठान के दिन अपने गलती मुहुर्ले, घरों व मंदिर में दीप ज्ञाते जलाकर दीपावली मनाने की बात कही। अक्षत वितरण करने वालों में पंकज कुमार साहू, संजय रजव, मिथलेश साव, कैलाश साव, सतेंद्र प्रभाकर, सुरेंद्र कुमार, रमेश साव सहित कार्यकर्ता शमिल थे।

जायन्ट्स ने किया छड़ा, गुड एवं लाई का वितरण



गढ़वा। जायन्ट्स गढ़वा के तत्वावधान में महोपी रोड स्थित राधे जी के इंट भड़ा एवं जोड़ा पुल मध्यांत्रों मोड़ के समीप मजदूरों एवं बच्चों के बीच छड़ा, गुड तथा लाई का वितरण किया गया। इस अवसर पर पदाधिकारियों ने कहा कि समाज के सबके निचले पायवान पर खड़े जरूरतमयों के साथ खाना बनाने से अपूर्वता आनंद मिलती है। मौके पर जायन्ट्स उपाध्यक्ष राकेश केशरी, जायन्ट्स वेलफेर फाउंडेशन 8 के पूर्व अध्यक्ष विंडो कम्पायुरी, स्पेशल कमिटी के पूर्व सदस्य विजय केशरी, जायन्ट्स गुप्त ऑफ गढ़वा के प्रशासनिक निदेशक मोजीबुद्दीन खान, वित निदेशक अशोक केशरी, धूम केशरी, दीपक तिवारी, मनोज केशरी, रवीन्द्र केशरी, अस्लूं सोनी आदि लोग उपस्थित थे।

कामरेड महेंद्र सिंह का 19वां शहदत दिवस आज





22 जनवरी से क्रिकेट
टूनामेंट का होगा आयोजन

लातेहार। अयोध्या में श्रीराम मंदिर का उद्घाटन के शुभ अवसर पर खत्मानी झारखंडी पार्टी जिला अध्यक्ष राम सिंह चेरो के द्वारा क्रिकेट मैच का आयोजन कस्तुरबा विद्यालय के पास लातेहार फुटबॉल ग्राउंड में आगमी 22 जनवरी से किया जा रहा है। वहीं इस टूनामेंट में प्रथम पुरस्कार 15000 रुपए शील्ड, द्वितीय पुरस्कार 7100 रुपए शील्ड दिया जाएगा। वहीं इस मैच में भाग लेने के लिए इच्छुक टीम भाग ले सकते हैं इंट्री फी 1101/- रुपए रखा गया है। टूनामेंट का संरक्षक पंकज सिंह चेरो, अध्यक्ष विजय सिंह, उपाध्यक्ष रोहित सिंह, सचिव संदीप सिंह, उपसचिव मनोज सिंह से संपर्क नंबर 7645810119, 930695233 पर जनकरी के लिए संपर्क कर सकते हैं।

22 जनवरी को भजन कीर्तन एवं भंडारा का होगा आयोजन

चंदवा। शहर से सटे कंचन नगरी रिश्त भजन वार्ष भंडारा प्रांगण में महावीर मंडल कंचन नगरी चंदवा की बैठक संपन्न हुई। जिसकी अव्यक्ति प्रभास गुराता ने की। बैठक में संवर्समति से निर्णय लिया गया की 22 जनवरी को अयोध्या में हो रहे प्रभु श्री राम के प्राप्ति के दिन चंदवा प्रांगण में भजन कीर्तन एवं भंडारा का आयोजन किया जाएगा। गणेश टैंपे हाउस के गणेश कुपार ने मंदिर को अपनी ओर से मन्दिर परिसर को सजाना का जिम्मा लिया है। बैठक में मंदिर कमेंट के अव्यक्ति अनंद कनोडिया सचिव चंद्र भृष्ण केसरी कोषाध्यक्ष उपेश शाह नीरज शर्मा रंगी कुमार मोजाज कुमार प्रमोद चौधरी रजन चांडी शिव केसरी कनु औंडा राहुल कुमार समेत कई लोग शामिल थे।

सोना सोबरन योजना के तहत धोती साड़ी व लुंगी का वितरण



धोती साड़ी व लुंगी का वितरण करते डील।

सरयू। नवनिर्मित सरयू के विभिन्न जन वितरण प्रणाली के द्वाकानों में सोना सोबरन योजना के तहत धोती साड़ी व लुंगी के साथ साथ चना वाल का वितरण कार्ड धारियों के बीच किया जा रहा है। वहीं जन वितरण प्रणाली के डीलर गोपाल साव, दगा देवी, राजाराम प्रसाद, समेत अन्य डीलरों ने बताया कि स्वरकार के महत्वकांती योजना के तहत कार्ड धारियों के बीच धोती साड़ी व लुंगी के साथ साथ एक रुपए किलो के दाना वाल का मिलने से कार्ड धारियों में खुशियों का हर्ष देखा जा रहा है।

बसपा का जिला स्तरीय बैठक संपन्न



लातेहार। अमवाटिकर समुदायिक भवन में बसपा का पार्टी के विस्तार को लेकर जिला स्तरीय बैठक संपन्न हुई। बैठक के अध्यक्षता लिया जिला अध्यक्ष हरदयाल सिंह ने किया। वहीं इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रभारी गुरुज और एक रुपांशु किलो के दाना वाल का मिलने से कार्ड धारियों में खुशियों का हर्ष देखा जा रहा है।

लातेहार। अमवाटिकर

समुदायिक भवन में बसपा का

पार्टी के विस्तार को लेकर जिला

स्तरीय बैठक संपन्न हुई।

बैठक के बैठक संपन्न हुई



मनोज कुमार सिन्हा

अयोध्या धार्म..... 22
जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन होने वाला है। इसकी तैयारियां जोर-शोरों से चल रही हैं।

अधिकांश लोगोंने पहली बार हिंदू महाकाव्य रामायण में अयोध्या के बारे में सुना है। वह राजा दशरथ का शहर है और कोसलदेश राज्य की राजधानी है, इस्वर्ग के समान समुद्र स्वर्ण (थर्वेंद्र), शहर-सप्त पुरियों में से एक, या प्राचीन भारत के सात पवित्र शहरों (संकट्युरण) के लिए भी जाना जाता है। राम जन्मभूमि का स्थान हो, वह भूमि जहां राजकुमार राम का जन्म हुआ और उनका पालन-पोषण हुआ, वह शहर जो उके बनवास पर भेजे जाने पर रोग था, और वह राजा जोने 14 साल बाद उनकी वापरी पर खुशी मनाइ थी।

'अयोध्या' नाम राजा आयुध से आया है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे श्री राम के पूर्वजों में से पहले थे। रामायण में कहा गया है कि वह शहर, जो सरयू नदी के दाफ्ने किनारे पर स्थित है, की स्थापना त्रिवृत मनोनीवारी की थी, जिन्होंने इसे भगवान विष्णु से प्राप्त किया था। इस पर इश्वरकुओं के सूर्य-वंश का उपयोग करके बनाया गया था।

इतिहास में एक निश्चित बिंदु तक सकेत के नाम से भी जानी जाने वाली अयोध्या को अंततः इसके वर्तमान नाम से जाना जाने लगा। राम की नगरी में शिव का एकमात्र नगेश्वरनाथ मंदिर, चंद्रगुप्त विक्रमादित्य (376-415 ईस्वी) के समय तक जीवित रहा और उन्हें अयोध्या का पता लाने में मदर मिली।

विष्णुवर्णना यह है कि, अयोध्या, जिसके नवाओं ने वहां राज्य बनाया। बाद में, अपनी राजधानी लखनऊ स्थानान्तरित कर दी, और अयोध्या एक बार फिर उपेक्षा और खंडहर में गिर गई। पोस्ट्स्टिपेंट अवॉइंडस ने अयोध्या को फिर से सुर्खियों में ला दिया, और हाल ही में, 2019 में, इस स्थल को श्री राम को समर्पित एक भव्य मंदिर परिसर के लिए हिँदू

समुदाय को सौंपा गया था। पांच जैन

तीर्थकरों का जन्म वहां हुआ था और गुरु नानक देव सहित सिख गुरुओं ने अपने आध्यात्मिक सदैश का प्रचार करने के लिए

पाठ और सुखदायक भजन सुने जाते हैं। मंदिर में राम और सीता और भाइयों लक्षण, भरत और शत्रुघ्न की मूर्तियाँ हैं, भवन को

के विरासत क्षेत्र शहर के सबसे लोकप्रिय पर्यटक स्थलों का एक विशाल कैनेवास है। प्राचीनता और धार्मिक महत्व के घाटों और

आयताकार परकोटा रहेगा। चारों दिशाओं में इसकी कुल लंबाई 732 मीटर तथा चौड़ाई 14 फीट होगी।

अयोध्या में राम का उत्सव

यहां का दौरा किया था।

अयोध्या एक विशिष्ट महानगरीय जुड़ाव का भी आनंद उठाता है, जो 48 ई.पू. से चला आ रहा है, जब, कौरियाई क्रान्तिकाल सैमुगुक युसा के अनुसार, सुपीरला, एक स्थानीय राजकुमारों के बारे में कहा जाता है। दशरथ महल धार्मिक मनोरंजन के लिए कोई अजनबी नहीं है और इसमें सरयू नदी के बारे में राम और महान महाकाव्य के बारे में पढ़ा गया है। वह 200 लोगों के साथ कोरिया की ओर रवाना हुई थी। जहाज डूब गया और सुरीरका परिवर्तन पर खुशी मनाई थी।

'अयोध्या' नाम राजा आयुध से आया है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे श्री राम के पूर्वजों में से पहले थे। रामायण में कहा गया है कि वह शहर, जो सरयू नदी के दाफ्ने के नाम से जाना जाने लगा। आज तक, कई दर्शण कोरियाई लोग इस शहर को अपना निनहाल मानते हैं। 2001 में रातों का एक स्मारक बनाया गया, जिसे दर्शकों को राजकुमारों के साथ कोरिया कोरिया था। इस पर इश्वरकुओं के सूर्य-वंश का उपयोग करके बनाया गया है।

सुग्रीव किला

सभी लोकों से परे आध्यात्मिक शान्ति में दूबा, सुग्रीव मंदिर अयोध्या शहर के हनुमान गढ़ी क्षेत्र में स्थित है और एक एसएसआई स्थल है। इस मंदिर की आसानी से प्राप्त किला का निर्माण किया गया है। इस मंदिर को धार्मिक शिक्षण का प्रशिक्षण केंद्र भी माना जाता है। यहां रामनवमी, गुरु पूर्णिमा और जन्माष्टमी जैसे त्योहार धूमधार मदरांते लिखियाँ हुई हैं।

अयोध्या के दूसरे सबसे महत्वपूर्ण मंदिर तक पहुंचने के लिए कठिन अवश्यक है। इसलिए, यह काफी उत्पादन की ओर रामनवमी, गुरु पूर्णिमा और जन्माष्टमी जैसे त्योहार धूमधार मदरांते लिखियाँ हुई हैं। कठिन अवश्यक है कि वह रामनवमी के दूसरे सबसे महत्वपूर्ण मंदिर के लिए उत्पादन की ओर रामनवमी, गुरु पूर्णिमा और जन्माष्टमी जैसे त्योहार धूमधार मदरांते लिखियाँ हुई हैं।

अयोध्या बादों, जैनों और सिखों के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण स्थल है। बुद्ध ने पड़ोसी श्रावस्त्री में अपने प्रवास के अलावा यहां समय बिताया था। पांच जैन

मंदिरों से भरे, ये भारत के शीर्ष आध्यात्मिक केंद्रों में से एक, अयोध्या में जीवित विरासत का एक असाधारण उदाहरण है, जिसे हिंदू ग्रन्थों में श्री राम का जम्मस्थान और परिवारिक घर बताया गया है। विरासाड हेरिटेज जोन में कई घाट और मंदिर शामिल हैं, जोनों पुराने और नए। मठों और निर्मित विरासतों के साथ-साथ 18वीं शताब्दी से लेकर आज तक कुलीनों और प्रमुख नारायणसियों द्वारा निर्मित अनेक आलोचनाएँ इमारतें बिखरी हुई हैं।

रामकोट हेरिटेज जोन में कई घाट और हिंदू मंदिर भी हैं। राम जन्मभूमि की सुरक्षा को बाधित करने से बचने के लिए, कानून द्वारा रामकोट के आसपास किसी भी नए निर्माण की अनुमति नहीं है।

मणि पवित्र क्षेत्र वह जगह है जहां मणि पवित्र (एक टीला) स्थित है, और वह 400 ई.पू. का है। यह पहाड़ी राम-सीता मंदिर और वार्षिक त्रिवर्षी का उत्सव के लिए जाती है।

मंदिर के समीप पौराणिक काल का सीताकूप विद्यमान रहेगा।

मंदिर परिसर में प्रत्यावर्त अन्य मंदिर-मर्हिंग वाल्मीकि, मर्हिंग विश्वामित्र, मर्हिंग अगस्त्य, निषादराज, भारत शबरी व ऋषिपति देवी अहिल्या को समर्पित होंगी दर्शकीय भाग में नवरत्न कुबेर टीला पर भगवान शिव के प्राचीन मंदिर की जीर्णी-द्वारा किया गया है एवं तथा वहां जटायु प्रतिमा की स्थापना की गई है।

मंदिर में लोहे का प्रयोग नहीं होगा। भरती के ऊपर बिलकुल भी कंक्रीट नहीं है।

मंदिर के नीचे 14 मीटर मोटी रोलर कॉम्पेटेड कंक्रीट (फटउ) बिछाई गई है। इसे कृत्रिम चट्टान का निर्माण किया गया है।

मंदिर को धरती की नमी से बचाने के लिए 21 फीट ऊंची लिंथ ग्रेनाइट से बनाई गई है।

मंदिर परिसर में स्वतंत्र रूप से सीधर ट्रीटेंट प्लाट, वॉर्ट ट्रीटेंट प्लाट, अग्निशमन के लिए जल व्यवस्था तथा स्वतंत्र पांच घर बताया गया है। अगर कोई देख रहा है कि अंग बोलते होंगे तो उसका मन उसी स्थान पर अवश्यित हो जायेगा, और यही तपस है। यह रहयोद्धान जानकार द्वारा जानने के लिए आपकी शरण में आया है। रमण 15 मिनट तक उनके आलों में शांत होकर देखते रहे और फिर बोले- अगर कोई यह देख पाए कि 'मैं' के भाव का उद्भव कहाँ से होता है तो उसका मन उसी स्थान पर अवश्यित हो जायेगा, और यही तपस है। अगर कोई यह देख पाए कि मंत्र बोलते होंगे तो उसका मन उसी स्थान पर अवश्यित हो जायेगा, और यही तपस है। यह रहयोद्धान जानकार द्वारा जानने के लिए आपकी शरण में आया है। रमण ने अपने हाथ से भक्त आकर रहते थे। 14 अप्रैल, 1950 की शाम के समय मर्हिंग ने निर्माण किया, जहाँ पर देश और अंग बोलते होंगे।

मंदिर के नीचे 14 मीटर मोटी रोलर कॉम्पेटेड कंक्रीट (फटउ) बिछाई गई है। इसे कृत्रिम चट्टान का निर्माण किया गया है।

मंदिर को धरती की नमी से बचाने के लिए जानी जाती है।

मंदिर के नीचे 14 मीटर मोटी रोलर कॉम्पेटेड कंक्रीट (फटउ) बिछाई गई है। इसे कृत्रिम चट्टान का निर्माण किया गया है।

मंदिर को धरती की नमी से बचाने के लिए 21 फीट ऊंची लिंथ ग्रेनाइट से बनाई गई है।

मंदिर के चारों ओर चारों ओर

एक धरती की नमी से बचाने के लिए 21 फीट ऊंची लिंथ ग्रेनाइट से बनाई गई है।

मंदिर के चारों ओर चारों ओर

एक धरती की नमी से बचाने के लिए 21 फीट ऊंची लिंथ ग्रेनाइट से बनाई गई है।

मंदिर के चारों ओर चारों ओर

एक धरती की नमी से बचाने के लिए 21 फीट ऊंची लिंथ ग्रेनाइट से बनाई गई है।

मंदिर के चारों ओर चारों ओर

एक धरती की नमी से बचाने के लिए 21 फीट ऊंची लिंथ ग्रेनाइट से बनाई गई है।

मंदिर के चारों ओर चारों ओर